साईं प्रेम निभाना है

साईं प्रेम निभाना है
तेरा मेरा रिश्ता पुराना है
साईं प्रेम निभाना है

मालिक ये कैसी दुनिया रचाई,
वफा सो चुकी है जगी बेवफाई
इस झूठी दुनिया में किसको सुनाना है
साईं प्रेम निभाना है

आँखों में आंसू लबो पे तराना
मैं तो हु साईं तेरा दीवाना
तुझे छोड़ कर न और कही जाना है
साईं प्रेम निभाना है

हर जीव तेरा तुझको पुकारे तेरे सिवा कौन इनको उभारे
हर दुःख संकट से तुम्हे ही बचाना है
साईं प्रेम निभाना है

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17578/title/sai-prem-nibhana-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |